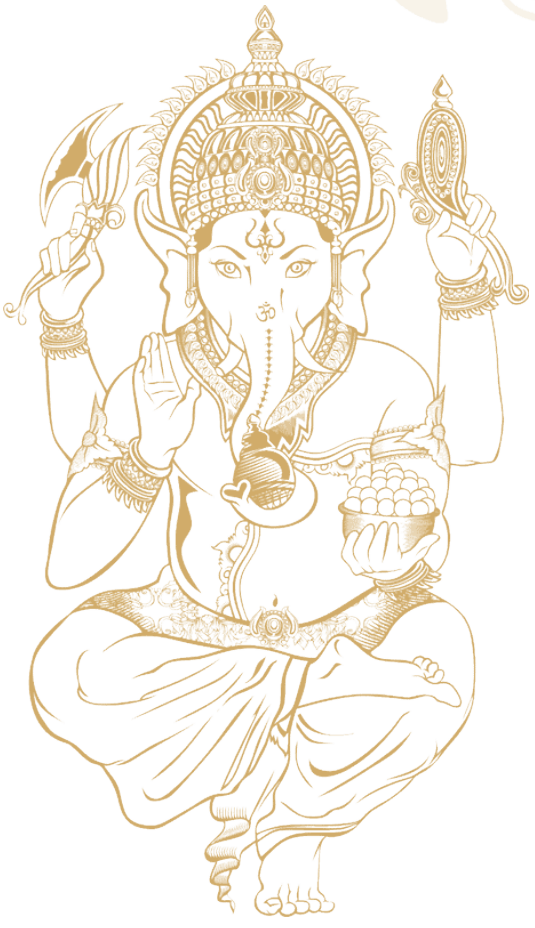

?????? ?????

20 Dec 1971

06:10 PM

Alwar

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/12/1971**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:10:00 घंटे**
इष्ट	27:32:26 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल	23:40:07 घंटे
सूर्योदय	07:09:01 घंटे
सूर्यास्त	17:32:53 घंटे
दिनमान	10:23:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:30:17 धनु
लग्न के अंश	13:50:57 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:50:57	321:40:18	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			धनु	04:30:17	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	07:09:03	13:13:27	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
मंगल			मीन	02:33:16	00:38:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध	व		वृश्चि	18:57:24	00:24:18	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	सम राशि
गुरु		अ	वृश्चि	26:18:40	00:13:32	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	03:07:48	01:14:22	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि	व		वृष	07:39:24	00:04:06	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मक	12:08:33	00:00:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	12:08:33	00:00:36	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कन्या	24:19:31	00:01:50	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
नेप			वृश्चि	10:14:38	00:02:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	08:31:05	00:00:31	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	01:07:01	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:09

लग्न-चलित

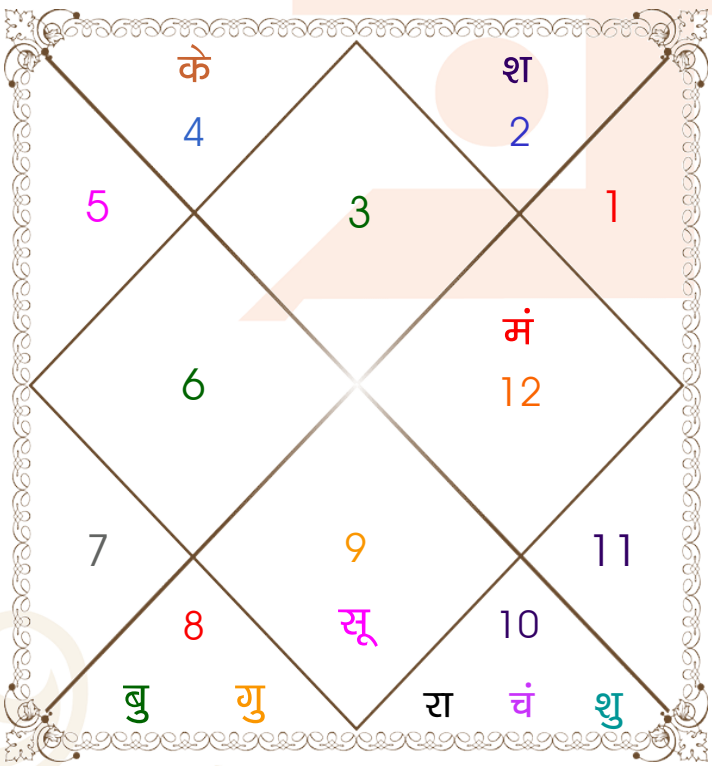

चन्द्र कुंडली

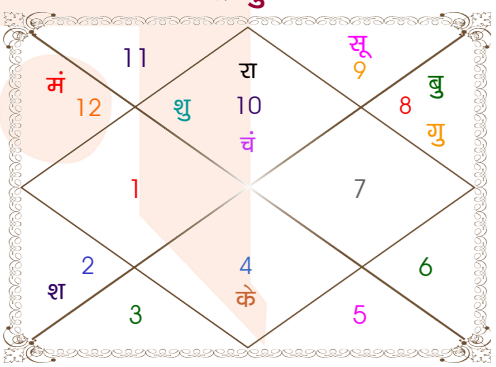

नवमांश कुंडली

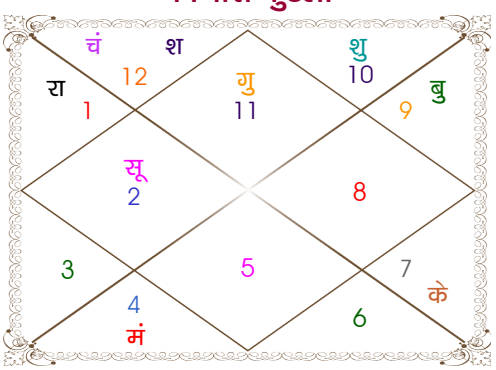

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 3 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/12/1971		02/04/1973		02/04/1983		02/04/1990		01/04/2008	
02/04/1973		02/04/1983		02/04/1990		01/04/2008		01/04/2024	
	00/00/0000	चंद्र	31/01/1974	मंगल	29/08/1983	राहु	13/12/1992	गुरु	21/05/2010
	00/00/0000	मंगल	01/09/1974	राहु	16/09/1984	गुरु	09/05/1995	शनि	01/12/2012
	00/00/0000	राहु	02/03/1976	गुरु	23/08/1985	शनि	15/03/1998	बुध	09/03/2015
	00/00/0000	गुरु	02/07/1977	शनि	01/10/1986	बुध	01/10/2000	केतु	13/02/2016
	00/00/0000	शनि	31/01/1979	बुध	29/09/1987	केतु	19/10/2001	शुक्र	14/10/2018
	00/00/0000	बुध	02/07/1980	केतु	25/02/1988	शुक्र	19/10/2004	सूर्य	02/08/2019
	20/12/1971	केतु	31/01/1981	शुक्र	26/04/1989	सूर्य	13/09/2005	चंद्र	01/12/2020
केतु	01/04/1972	शुक्र	01/10/1982	सूर्य	01/09/1989	चंद्र	15/03/2007	मंगल	07/11/2021
शुक्र	02/04/1973	सूर्य	02/04/1983	चंद्र	02/04/1990	मंगल	01/04/2008	राहु	01/04/2024

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/04/2024		02/04/2043		01/04/2060		02/04/2067		02/04/2087	
02/04/2043		01/04/2060		02/04/2067		02/04/2087		00/00/0000	
शनि	05/04/2027	बुध	29/08/2045	केतु	28/08/2060	शुक्र	02/08/2070	सूर्य	21/07/2087
बुध	13/12/2029	केतु	26/08/2046	शुक्र	29/10/2061	सूर्य	02/08/2071	चंद्र	19/01/2088
केतु	22/01/2031	शुक्र	26/06/2049	सूर्य	05/03/2062	चंद्र	02/04/2073	मंगल	26/05/2088
शुक्र	24/03/2034	सूर्य	02/05/2050	चंद्र	04/10/2062	मंगल	02/06/2074	राहु	20/04/2089
सूर्य	06/03/2035	चंद्र	02/10/2051	मंगल	03/03/2063	राहु	01/06/2077	गुरु	06/02/2090
चंद्र	04/10/2036	मंगल	28/09/2052	राहु	20/03/2064	गुरु	31/01/2080	शनि	19/01/2091
मंगल	13/11/2037	राहु	17/04/2055	गुरु	24/02/2065	शनि	02/04/2083	बुध	25/11/2091
राहु	19/09/2040	गुरु	23/07/2057	शनि	05/04/2066	बुध	31/01/2086	केतु	20/12/2091
गुरु	02/04/2043	शनि	01/04/2060	बुध	02/04/2067	केतु	02/04/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 3 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।